# साहित्य अकादमी में गूंजी दलित चेतना की आवाज

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर मंडी हाउस स्थित साहित्य अकादेमी के काफ्रेंस हाल में आयोजित दलित चेतना कार्यक्रम में काव्य पाठ आयोजित किया गया। इसमें देशभर से आए छह रचनाकारों ने अपनी कविताएं और कहानियां प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम की शुरुआत ममता जयंत की कविताओं से हुई, जिनमें सभी ने छुआ था और नहीं चाहिए जैसी रचनाओं ने गहरी संवेदना जगाई। नामदेव ने 'बाबा भीम' और 'कुआं' जैसी कविताओं से वर्तमान समाज में बाबासाहेब के सपनों की झलक दिखाई। वहीं, नीलम की 'सबसे बुरी लड़की' कविता ने स्त्री-सशक्तिकरण का संदेश दिया। महेंद्र सिंह बेनीवाल की कविताओं ने आधुनिक समाज की दोहरी मानसिकता पर तीखा प्रहार किया। कवि टेकचंद की कहानी ''गुबार'' ने दलित समुदायों के भीतर की जटिलताओं को उजागर किया। वहीं, कार्यक्रम का संचालन संपादक अनुपम तिवारी ने किया। कार्यक्रम में लेखक, पत्रकार व छात्र रहे।